गहरी जड़ें, ऊँची उड़ान (Deep Roots, High Flight)

सब्र रखिए, जब आपकी मेहनत की जड़ें मज़बूत होंगी,
तो आपकी सफलता की ऊँचाई भी बांस की तरह
आसमान छुएगी

एक समय की बात है, समीर नाम का एक चित्रकार बहुत परेशान था। वह सालों से सुंदर पेंटिंग्स बना रहा था, लेकिन उसे न तो पहचान मिल रही थी और न ही सफलता। उसके दोस्त जीवन में बहुत आगे निकल चुके थे। हार मानकर समीर ने अपनी कूची और रंग फेंक दिए और एक घने जंगल की ओर चल पड़ा।

निराश होकर वह एक पत्थर पर बैठ गया और खुद से कहने लगा, "मेरी मेहनत का कोई नतीजा नहीं निकल रहा। भगवान शायद मेरे साथ ही नाइंसाफी कर रहे हैं।"

तभी उसकी नज़र पास ही लगे दो पौधों पर पड़ी। एक तरफ मखमली, हरी-भरी छोटी घास (**Fern**) का एक बड़ा हिस्सा था, और दूसरी तरफ ज़मीन से ठीक ऊपर निकला एक छोटा सा, सख्त अंकुर था जो बांस (**Bamboo**) का था।

अचानक प्रकृति ने समीर से एक शांत हवा के झोंके के रूप में बात की: "समीर, इन दोनों को देखो। जब प्रकृति ने इन्हें बनाया, तो दोनों को एक जैसी मिट्टी, एक जैसा पानी और एक जैसी धूप दी।"

समीर ने ध्यान से सुना। हवा ने आगे कहा, "इस फर्न ने पहले ही महीने में अपनी छोटी जड़ें फैलाईं और ज़मीन को हरा-भरा कर दिया। सबने इसकी तारीफ की। लेकिन इस बांस ने पहले साल कुछ नहीं दिखाया। दूसरे, तीसरे और चौथे साल भी यह ज़मीन के अंदर ही छुपा रहा। लोग इसे 'बांझ' समझने लगे।"

समीर ने पूछा, "तो क्या बांस हार मान गया?"

प्रकृति मुस्कुराई, "नहीं। उन चार सालों में, बांस ज़मीन के ऊपर भले ही नहीं दिख रहा था, लेकिन वह ज़मीन के सैकड़ों फीट नीचे अपनी जड़ों का एक ऐसा मजबूत जाल बना रहा था, जिसे दुनिया का कोई भी तूफान हिला न सके। वह खुद को अंदर से तैयार कर रहा था।"

"और फिर पांचवें साल..." हवा ने एक तेज़ झोंका लिया, "...वह बांस ज़मीन फाड़कर बाहर निकला और कुछ ही हफ्तों में आसमान को छूने लगा। आज वह इस जंगल का सबसे मजबूत और ऊँचा पौधा है।"

समीर को अपनी गलती का अहसास हुआ। प्रकृति ने उसे अंतिम सीख दी: "समीर, जब तुम मेहनत करते हो और तुम्हें सफलता नहीं दिखती, तो निराश मत हो। उस समय तुम असफल नहीं हो रहे होते, बल्कि तुम अपनी 'जड़ें' मजबूत कर रहे होते हो। दूसरों की जल्दी मिलने वाली सफलता से अपनी तुलना मत करो। तुम्हारा निर्माण एक बड़ी ऊँचाई के लिए हो रहा है।"

समीर उठ खड़ा हुआ। उसकी आँखों में एक नई चमक थी। वह समझ गया था कि उसकी कला की जड़ें गहरी हो रही थीं, और उसका आसमान छूना अभी बाकी था।

कहानी से सीख (Moral of the Story):

जब आपके प्रयास तुरंत परिणाम नहीं दिखाते, तो इसका मतलब यह नहीं है कि आपकी मेहनत बेकार जा रही है। आप चुपचाप एक मजबूत आधार बना रहे हैं। धैर्य रखें, क्योंकि जो इमारत जितनी ऊँची बनती है, उसकी नींव उतनी ही गहरी खोदी जाती है।